अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग
व
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग
Chairman, Atomic Energy Commission
&
Secretary, Department of Atomic Energy

डॉ. श्रीकुमार बॅनर्जी
Dr. Srikumar Banerjee

भारत सरकार
Government of India

संदेश

प्रिय साथियों,

63 वें हिन्दी दिवस (14 सितंबर 2011) के शुभ अवसर पर मैं परमाणु ऊर्जा विभाग तथा देश-भर में फैली अपनी इकाइयों, उपक्रमों एवं सहायता प्राप्त संस्थानों में कार्यरत अपने सभी साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

साथियों, आप सभी यह जानते हैं कि 14 सितंबर 1949 को देश की संविधान सभा द्वारा हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। तब से आज तक केन्द्रीय सरकार की कामकाज की भाषा के रूप में राजभाषा हिन्दी ने कई पड़ाव पार किये हैं। केन्द्र के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों आदि में राजभाषा हिन्दी में कामकाज काफी हद तक बढ़ा है और अपने विभाग में भी वैज्ञानिक/तकनीकी कार्यों के साथ-साथ राजभाषा हिन्दी में भी कई महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं।

भारत में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास काफी वर्षों का रहा है। सैंकड़ों वर्षों से भारत के परिव्राजक संतों, उत्तर से दक्षिण, दक्षिण से उत्तर, पूर्व से पश्चिम और पश्चिम से पूर्व जाने वाले तमाम तीर्थयात्रियों तथा अंतर्प्रांतीय व्यापारियों ने सारे देश में इसी को व्यावसायिक रूप से सम्पर्क भाषा के रूप में अपनाया और इसका प्रयोग किया। हिन्दीतर अनेक विद्वानों एवं महानुभावों ने हिन्दी को देश की सर्वमान्य भाषा के रूप में स्वीकार किया है। आज हिन्दी एक जीवंत और विकसित भाषा है। आज वह हमारी परस्पर अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। हम भारतीयों की भावात्मक एवं भाषाई एकता की एक मजबूत कड़ी है।

भारत की रागात्मक, बौद्धिक और भौगोलिक सत्ताओं पर भारत के प्रत्येक नागरिक का समान अधिकार है और भारत की सभी भाषाएं हमारी राष्ट्रीय निधि हैं। देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए हमें अपने विभाग के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को और आगे बढ़ाना है। हमें सबसे पहले अपने संपूर्ण विभागीय प्रशासनिक, वैज्ञानिक, एवं तकनीकी साहित्य को हिंदी में तैयार करना है और उसे अपनी वेबसाइटों पर रखना है। इसके लिए हमें अपनी वेबसाइट की सामग्री को द्विभाषी रूप में और आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करते हुए त्रिभाषी रूप में भी तैयार कराना पड़ेगा। इसके साथ ही हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी तेजी से आगे बढ़ाना होगा। विभिन्न इकाइयों में विशेष कर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद और केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद जैसी स्वायत्त संस्थाएं विज्ञान के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए अच्छा कार्य कर रहीं हैं। हिंदी में वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठियों, शब्दावली कार्यशालाओं का आयोजन, गृह पत्रिकाओं का हिन्दी में प्रकाशन एवं विभिन्न वैज्ञानिक विषयों से संबंधित अंग्रेजी-हिंदी शब्दावलियों का प्रकाशन भी किया जा रहा है। इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा भी विभाग की ओर से एक अंग्रेजी-हिंदी नाभिकीय शब्दावली का प्रकाशन किया गया है। हमारे ये सारे प्रयास सराहनीय हैं। पर इस दिशा में हमें अभी और सघन प्रयास करना होगा। अंग्रेजी के प्रति अपनी मानसिक गुलामी को त्यागकर अपने कार्यालयों में पत्राचार में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाना हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

मुझे विश्वास है कि हमारे विभाग के सभी स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारीगण राजभाषा हिन्दी के संवैधानिक महत्व और भारत की एक संपर्क भाषा के रूप में उसके स्वरूप को स्वीकार करते हुए अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का प्रयास करेंगे और इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग देंगे।

हिन्दी दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं अपने सभी सहकर्मियों को हार्दिक बधाई देता हूँ और यह आशा करता हूँ कि जिस प्रकार हमने अपने पथ प्रदर्शक डॉ. होमी जहांगीर भाभा के सपनों के अनुरूप परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में नई ऊंचाइयाँ हासिल की हैं उसी तरह हम अपने कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को भी एक नई ऊंचाई तक ले जाने का प्रयास करेंगे ।

जयहिंद

श्रीकुमार बॅनर्जी

(श्रीकुमार बॅनर्जी)

मुंबई
14 सितंबर 2011

पउवि DAE

अणुशक्तिभवन, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, मुंबई - 400 001, भारत
दूरभाष : +(91) (22) 2202 2543 • फैक्स : +(91) (22) 2204 8476 / 2284 3888 • तार: एटमर्ग
Anushakti Bhavan, Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg, Mumbai - 400 001, India
Phone: +(91) (22) 2202 2543 • Fax: +(91) (22) 2204 8476 / 2284 3888 • Grams: ATOMERG
E-mail: chmn@dae.gov.in